Anand
DATE :
PAGE NO. :

ऑडियो.विडियो. रिकॉर्डिंग और कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर नं:-10 दिनाँक 22/05/21
ZOOM0015 स्थान - बड़नावा चारणान्
कलाकार का नाम - (आसीन खां) (गायन/वादन
पिता का नाम - मुसे खा
पता - गांव बड़नावा चारणान् तह० पचपदरा जिला-बाड़मेर
सहायक कलाकर
1 समदर खां
2
3 ट्रैक समयावधि - 15.27 मिनट

ऑडियो रिकॉर्डिंग का समय
विशेष - कथा - (पृथ्वी राज)
विशेष - विवरण

विशेष -विवरण- एक बार एक राजा था वह शिकार का बहुत ही शौकीन था। और उसका एक नियम था वो यह कि बिना शिकार किये वह पानी भी नहीं पिता था। एक बार वह नई के साथ शिकार पर गया शिकार की तलाश मे पुरे जंगल मे घुमे पर उन्हे शिकार नहीं मिला अब प्यास भी बड़ रही थी इतने में उसने नई जी से कहा आप पानी पिलो मे अपना नियम नहीं तोड़ुगा।

नई जी पानी पिने तलाब के किनारे पर जाते है और पानी पीने से पहले वह कुल्ली करता है। तो देखता है कि एक बेहद खुबसुरत मूर्ति (पुतली) वहा पर स्थित है। मुर्ति देखकर ~~नह~~ नई जी उसके ऊपर रेत डाल देता है। और राजा के पास चला जाता है। अब राजा की प्यास भी सीमा से बाहर होती जा रही थी। और उस समय उसने अपना नियम तोड़ने का निश्चिय करके तलाब के किनार जाता है और पानी पीने लगता है।

पानी पीकर वापस आते समय उसकी नजर उसी मूर्ति पर पड़ती है। तो वह उस खूबसूरत मूर्ति को देखता है और कहता है कि ए मूर्ति अगर तू सच्ची है तो अभी और इसी वक्त स्त्री बन जा और मेरे साथ फेरे ले ले तो कुछ ही देर में वह मूर्ति स्त्री का रूप धारण कर लेती है और दरबार से विवाह कर लेती है। फिर दरबार (राजा) उसे अपने महल मे ले जाता है. और उसके लिए अलग से महल बनाने का हुकम देता है।

और वह स्त्री राजा से कहती है कि जब भी आप मेरे महल में मेरे पास आओ तब खेगार की आवाज कर के आना। राजा ने कहा ठीक है। उस रानी और राजा के बढ़ते प्यार को देखकर अन्य रानीयों को उनसे जलन होने लगी तब इन रानीयों ने राजा पर निगाह रखना शुरू किया वह क्या करता है कैसे महल मे प्रवेश करता है तो जैसे ही राजा महल में प्रवेश करता है तो वह खेगार करता है।

निगाह रखने वाली रानियों और दासियों को यह बात पता चल गई। तब एक दिन रानीयों ने मरिमली दूती को बुलाई और सारी बात समझाई तब उस दूती ने कहा की आप अचानक दरबार से जाकर के कहना की आपकी रानी का पेट दर्द कर रहा है। (उस रानी ने दरबार के एक बच्चे को भी जन्म दिया था, उनका नाम पृथ्वी राज था)।

यह खबर सुनकर दरबार दौड़कर महल मे बिना खेगार किये प्रवेश कर दिया तो देखता है कि एक शेरनी अपने बच्चे को दूध पिला रही है यह देखकर दरबार हैरतंगेज हो जाता है और शेरनी बोलती है। की मेरा और आपका साथ यहीं तक था। मेरा ये लड़का है जो मैं आपको सौंप कर जा रही हूँ

उस रानी के चले जाने से राजा को बहुत दुःख हुआ। और धीरे-धीरे वह बूढ़ा होने लगा। उस उसका बेटा पृथ्वी राज चौहान धीरे-धीरे बड़ा होने लगा। तो एक राजा ने अपने बेटे से कहा कि मेरा एक सपना है। मै तो अब बूढ़ा हो गया हूँ मैं तो उसे पुरा कर नहीं पाऊँगा अगर तु मेरा सच्चा बेटा है तो मेरा यह सपना पूरा कर दे तो पृथ्वी राज ने कहा बताईये पिताजी - पिताजी बोले बेटा एक शहर है। उजमनगरी वहां एक राक्षस की बेटी और राक्षस दोनो रहते है।

तु उसको अपनी पत्नी बना कर लिया पृथ्वीराज वहां से रवाना हो जाता है तो आगे एक राईका अपनी ऊंट बकरिया चरा रहा था। उसने कहा कवर साहब कहा जा रहे हो अकेले मैं भी आपके साथ चलता हूँ, और वह भी पृथ्वी राज के साथ चल पड़ता है। थोड़ी दूर और चलता है कि उसे एक लोहार मिलता है तो वह भी उनके साथ चल पड़ता है और वो तीनो रवाना हो जाते है।

रास्ते में उसकी मुलाकात एक और राईके से होती है। हाल समाचार पुछने पर वह केहता है कि छः महीनो से मेरी उठनिया गुम हो चुकी है जिनके पैरो के निशान ऐसे देख रहा हूं जैसे वह अभी निकली है। राईके ने कहा आप कोन हो तो पृथ्वी राज बताते है कि मुसाफिर है और रात को गुजारनी है। राईका उसे अपने घर भेजता है और केहता है आप मेरे घर पहुँचो मैं उठनिया लेकर आता हूं।

वह तीनों राईके के घर पहुँच जाते है और रात गुजारते है। सुबह वह अपने साथ वाले राईके को उसके पास छोड़कर रवाना हो जाते है। आगे चलने पर वह अपने दुसरे साथी को बेरको के पास छोड़ देता है और आगे के लिए अकेला चलने का निश्चय कर के निकल जाते है। उजमनगरी शहर की तरफ

Anand
DATE :
PAGE NO. :

और अपनी तलाश शुरू कर देते है। काफी समय बाद एक दिन उनकी तलाश पूरी होती है जब वह पानी में राक्षस की बेटी को देखता है। और वह सोचता है पिताजी इसी लड़की की बात कर रहे थे। तो वह राक्षस को खत्म करके उसको अपनी पत्नी बना लेता है। और सब कुछ भूल कर वही रहने लग जाता है। घर पर पिताजी भी इन्तजार कर रहे थे के मेरा बेटा मेरा सपना पूरा करके आता ही होगा।

काफी समय बीत गया पृथ्वी राज का कही कोई अता-पता नहीं था। अब उनका पहला साथी जो कि पैरो के निशान पहचानना भली-भाती सीख चुका था, वह पैरो के निशान देखता हुआ पहुंच गया उस लोहार के पास और एक दूसरे ने अपने हाल समाचार सुनाये और पृथ्वी राज को ढूढ़ने निकल पड़े अब वह भी अच्छा तैराकी बन चुका था।

वह दोनो पैरो के निशान देखते-देखते वहां पहुँच गये जहां से आगे के निशान मिलना बन्द हो गये अब सिर्फ पानी ही पानी नजर आ रहा था। और तैरने वाले ने उसका हाथ पकड़ कर पानी में छलांग लगाई तो पानी ने रास्ता दे दिया। और वह दोनों पृथ्वी राज के पास पहुंच गये और उनसे मिले बहुत खुश हुए. वह तीनो बहुत समय बाद मिल रहे थे।

इस तरह वह तीन दोस्त और एक पृथ्वी की पत्नी राक्षस की बेटी वहां से अपने शहर वापस आते हैं और अपने पिताजी का सपना पुरा करता है।